वचन

संज्ञा के जिस रूप से संख्या का बोध होता है उसे वचन कहते हैं। अर्थात् संज्ञा के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वह एक के लिए प्रयुक्त हुआ है या एक से अधिक के लिए, वह वचन कहलाता है।

हिन्दी के वचन दो प्रकार के होते हैं।

1. **एकवचन** – संज्ञा के जिस रूप से एक ही वस्तु का बोध हो उसे एकवचन कहते है। जैसे– बालक, बालिका, पेन, कुर्सी, लोटा, दूधवाला, अध्यापक, गाय, बकरी, स्त्री, नदी, कविता, आदि।
2. **बहुवचन** – संज्ञा के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं का बोध होता है उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे घोड़े, नदियाँ, रानियाँ, डिबियाँ, वस्तुएँ, गायें, बकरियाँ, लड़के, लड़कियाँ, स्त्रियाँ बालिकाएँ, पैसे आदि।

- **वचन की पहचानः**
- वचन की पहचान संज्ञा अथवा सर्वनाम या विशेषण पद से ही हो सकती हैं। जैसे–

एकव.	–	बालिका खाना खा रही है।
बहुवः	–	बालिकाएँ खाना खा रही है।
एकव.	–	वह खेल रहा हैं।
बहुव.	–	वे खेल रहे है।
एकव.	–	मेरी सहेली सुन्दर हैं।
बहुव.	–	मेरी सहेलियाँ सुन्दर है।

Exam India
Unit Of Azad Group

- यदि वचन की पहचार संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण पद से न हो, तो क्रिया से हो जाती है। जैसे–

  एकव. – ऊँट

  बहुव. – ऊट बैठे हैं।

  एकव. – वह आज आ रहा हैं।

  बहुव. – वे आज आ रहे हैं।

- **वचन का विशिष्ट प्रयोग–**

- आदरार्थक संज्ञा शब्दों के लिए सर्वनाम भी आदर के लिए बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं। जैसे–

  आज मुख्यमंत्री जी आये हैं।

  मेरे पिताजी बाहर गए हैं।

  कण्व ऋषि तो ब्रह्मचारी हैं।

- अधिकार अथवा अभिमान प्रकट करने के लिए भी आजकल 'मैं' की बजाय 'हम' का प्रयोग चल पड़ा है, जो व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध है। जैसे–

  शांत रहिए, अन्यथा हमें कड़ा रूख अपनाना पड़ेगा।

  पिता के नाते हमारा भी कुछ कर्त्तव्य हैं।

- 'तुम' सर्वनाम के बहुवचन के रूप में 'तुम सब' का प्रचलन हो गया है। जैसे–

  रमेश! तुम यहाँ आओ।

  अरे रमेश, सुरेश, दिनेश! तुम सब यहाँ आओ।

- 'कोई' और 'कुछ' के बहुवचन 'किन्हीं ' और 'कुछ' होते हैं। 'कोई' और 'किन्ही' का प्रयोग सजीव प्राणियों के लिए होता हैं तथा 'कुछ' का प्रयोग निर्जीव प्राणियों के लिए होता हैं। कीड़े–मकोड़े आदि तुच्छ, अनाम प्राणियों के लिए भी 'कुछ' का प्रयोग होता हैं।

- **'क्या' का रूप सदा एक– सा रहता है।जैसे–**

  क्या लिखा था ?

  क्या खाया था?

  क्या कह रही थीं वे सब?

  वह क्या बोली ?

Exam India
Unit Of Azad Group

- कुछ शब्द ऐसे हैं जो हमेशा बहुंवचन में ही प्रयुक्त होते हैं। जैसे– प्राण, होश, केश, रोम, बाल, लोग, हस्ताक्षर, दर्शन, आँसू, नेत्र, समाचार, दाम आदि।
  प्राण – ऐसी हालत में मेरे प्राण निकल जाएँगे।
  होश – उसके तो होश ही उड़ गए।
  केश – तुम्हारे केश बहुत सुन्दर हैं।
  लोग – सभी लोग जानते हैं कि मेरा कसूर नहीं हैं।
  दर्शप – मैं हर साल सालासर वाले के दर्शन करने जाता हूँ।
  हस्ताक्षर – अपने हस्ताक्षर यहाँ करो।
- भाववाचक संज्ञाएँ एवं धातुओं का बोध कराने वाली जातिवाचक संज्ञाएँ एकवचन में प्रयुक्त होती हैं। जैसे–
  आजकल चाँदी भी सस्ती नहीं रही।
  बचपन में मैं बहुत खेलता था।
  रमा की बोली में बहुत मिठास हैं।
- कुछ शब्द एकवचन में ही प्रयुक्त होते हैं, जैसे–जनता, दूध, वर्षा, पानी आदि।
  जनता बड़ी भोली है।
  हमें दो किलो दूध चाहिए।
  बाहर मूसलाधर वर्षा हो रही हैं।
- कुछ शब्द ऐसे हैं जिनके साथ समूह, दल, सेना, जाति इत्यादि प्रयुक्त होते है, उनका प्रयोग भी एकवचन में किया जाता हैं। जैसे – जन–समूह, मनुष्य–जाति, प्राणि–जगत, छात्र–दल आदि।
- जिन एकवचन संज्ञा शब्दों के साथ जन, गण, वृंद, लोग इत्यादि शब्द जोड़े जाते हैं तो शब्दों का प्रयोग बहुवचन में होता है। जैसे–
  आज मजदूर लोग काम पर नहीं आए।
  अध्यापकगण वहाँ बैठे हैं।

- **एकवचन से बहुवचन बनाने के नियम :**

- **आकारान्त पुल्लिंग शब्दों का बहुवचन बनाने के लिए अंत में 'आ' के स्थान पर 'ए' लगाते हैं।**

Exam India
Unit Of Azad Group

जैसे– रास्ता–रास्ते, पंखा–पंखे, इरादा– इरादे, वादा– वादे, गधा– गधे, संतरा– संतरे, बच्चा– बच्चे, बेटा– बेटे, लड़का– लड़के, आदि।

अपवाद–कुछ संबंधवाचक, उपनाम वाचक और प्रतिष्ठावाचक पुल्लिंग शब्दों का रूप दोनों वचनों में एक ही रहता है। जैसे –

काका	–	काकी
बाबा	–	बाबा
नाना	–	नाना
दादा	–	दादा
लाला	–	लाला
सूरमा	–	सूरमा।

- **अकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों का बहुवचन, अंत के स्वर 'अ' के स्थान पर 'एं' करने से बनता हैं। जैसे –**

आँख–आँखें।

रात– रातें

झील–झालें

पेन्सिल–पेन्सिलें

बात– बातें।

- **इकारांत और ईकारांत संज्ञाओं में 'ई' को ह्रस्व करके अंत्य स्वर के पश्चात् 'याँ' जोड़कर बहुवचन बनाया जाता है।जैसे–**

टोपी	–	टोपियाँ
सखी	–	सखियाँ
लिपि	–	लिपियाँ
बकरी	–	बकरीयाँ
गाड़ी	–	गाड़ियाँ
नीति	–	नितियाँ
नदी	–	नदियाँ
निधि	–	निधियाँ
जाति	–	जातियाँ
लड़की	–	लड़कीयाँ
रानी	–	रानियाँ

Exam India
Unit Of Azad Group

थाली – थालियाँ
शक्ति – शक्तियाँ
स्त्री – स्त्रियाँ

- **'आ' अंत वाले स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'आ' के साथ 'एँ' जोड़ने से भी बहुवचन बनाया जाता है । जैसे –**

कविता – कविताएँ
माता – माताएँ
सभा – सभाएँ
गाथा – गाथाएँ
बाला – बालाएँ
सेना –– सेनाएँ
लता – लताएँ
जटा – जटाएँ

- **कुछ आकारांत शब्दों के अंत में अनुनासिक लगाने से बहुवचन बनता है। जैसे–**

बिटिया – बिटियाँ
खटिया – खटियाँ
डिबियाँ – डिबियाँ
चुहिया – चुहियाँ
बिन्दिया – बिन्दियाँ
चुहिया – चुहियाँ
गुड़िया – गुड़ियाँ
बुढ़िया – बुढियाँ

- **अकारांत और आकारांत पुल्लिंग व इकारांत स्त्रीलिंग के अंत में 'औं' जोड़कर बहुवचन बनाया जाता हैं। जैसे–**

बहन – बहनों
बरस – बरसों
राजा – राजाओं
साल – सालाओं
सदी – सदियों

Exam India
Unit Of Azad Group

घंटा	–	घंटों
देवता	–	देवताओं
दुकान	–	दुकानों
महीना	–	महीनों
विद्वान	–	विद्वानों
मित्र	–	मित्रों

- **संबोधन के लिए प्रयुक्त शब्दों के अंत में 'यों' अथवा 'ओं' लगाकर। जैसे –**

सज्ज!	–	सज्जनों!
बाबू!	–	बाबूओं!
साधु!	–	साधुओं!
मुनि!	–	मुनियों!
सिपाही!	–	सिपाहियों!
मित्र!	–	मित्रों!

- **विभक्ति रहित संज्ञाओं में 'अ', 'आ' के स्थान पर ' ओं' लगाकर । जैसे–**

गरीब	–	गरीबों
खरबूजा	–	खरबूजों
लता	–	लताओं
अध्यापक	–	अध्यापकों।

- **अनेक शब्दों के अंत में विशेष शब्द जोड़कर । जैसे–**

पाठक	–	पाठकवर्ग
पक्षी	–	पक्षीवृंक्ष
अध्यापक	–	अध्यापकगण
प्रजा	–	प्रजाजन
प्रजा	–	प्रजाजन
छात्र	–	छात्रवृंद
बालक	–	बालकगण

- **कुछ शब्दों के रूप एकवचन तथा बहुवचन में समान पाए जाते हैं। जैसे–**

छाया	–	छाया
याचना	–	याचना
कल	–	कल

Exam India
Unit of Azad Group

घर	–	घर
क्रोध	–	क्रोध
पानी	–	पानी
क्षमा	–	क्षमा
जल	–	जल
दूध	–	दूध
प्रेम	–	प्रेम
वर्षा	–	वर्षा
जनता	–	जनता

- **कुछ विशेष शब्दो के बहुवचन–**

हाकिम	–	कुक्काम
खबर	–	खबरात
कायदा	–	कवाइद
काश्तकार	–	काश्तकारा
जौहर	–	जवाहिर
अमीर	–	उमरा
कागज	–	कागजाल
मकान	–	मकानात
हक	–	हुकूक
ख्याल	–	ख्यालात
तरीख	–	ख्यालात
तारीख	–	तवारीख
तरफ	–	अतराफ।

Exam India

Online/ Offline Batch
IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए
www.azadiasacademy.com
M.9115269789

Our Publication
अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,
www.azadpublication.com
M.8929821970

Our Foundation
Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हैतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभाणी हैं।
www.azadfoundation.net
Unitofazadgroup@gmail.com